Editorial

नव जागरण - परिवर्तनशील भारत

भारत, एक ऐसा राष्ट्र जो अपनी विविधता, संस्कृति और सभ्यता के लिए जाना जाता है, आज एक अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है । इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण कारक है 'डिजिटल इंडिया' पहल, जिसने देश को तकनीकी प्रगति के पथ पर अग्रसर किया है । भारत ने डिजिटल युग में कदम रखते हुए एक महत्वपूर्ण और निर्णायक पहल की है, जिसे 'डिजिटल इंडिया' नाम से जाना जाता है । इस पहल का उद्देश्य देश को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना और नागरिकों को डिजिटल सेवाओं का लाभ पहुंचाना है । इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम की शुरुआत 1 जुलाई 2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई थी ।

देश के सभी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में उच्च गति ब्रॉडबैंड इंटरनेट की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क का विस्तार किया गया।सरकारी सेवाओं को डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध कराने के लिए, कई पोर्टल और मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किए गए, जिससे नागरिक सेवाओं की पारदर्शिता और प्रभावशीलता में सुधार हुआ। स्वास्थ्य सेवाओं की डिजिटल पहुंच को बढ़ावा देने के लिए, अस्पताल प्रबंधन और मरीजों की सुविधा के लिए डिजिटल स्वास्थ्य कार्ड और ई-रजिस्ट्रेशन प्रणाली लागू की गई । शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल तकनीकों का उपयोग बढ़ाने के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम, वेबिनार, और डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की गई । कैशलेस अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए, डिजिटल भुगतान प्रणाली और मोबाइल वॉलेट्स को बढ़ावा दिया गया ।

इस प्रकार के पहल के कारण - डिजिटल इंडिया पहल ने छोटे और मझोले उद्योगों को डिजिटल मंचों पर लाने में मदद की, जिससे उनकी कार्यक्षमता और उत्पादकता में वृद्धि हुई। यह पहल नए रोजगार सृजन और उद्यमिता को भी

प्रोत्साहित कर रही है। डिजिटल शिक्षा कार्यक्रमों ने छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा सुलभ कराई है, विशेष रूप से ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों में। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं ने मरीजों और डॉक्टरों के बीच संपर्क में सुधार किया है, जिससे उपचार की प्रक्रिया में तेज़ी आई है। डिजिटल गवर्नेंस ने सरकारी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा दिया है, जिससे भ्रष्टाचार में कमी आई है। डिजिटल सेवाओं ने नागरिकों को अधिक सशक्त और स्वावलंबी बनाया है, जिससे समाज में एक सकारात्मक बदलाव आया है ।

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का उद्देश्य देश में डिजिटल सेवाओं को सुलभ बनाना, डिजिटल साक्षरता बढ़ाना और डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। इस पहल के अंतर्गत, ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट पहुंच, ऑनलाइन सेवाओं का विस्तार, और स्मार्ट शहरों का विकास हो रहा है । इससे न केवल लोगों का जीवन आसान हुआ है, बल्कि देश की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आया है ।

आज उपभोक्ताओं का पारंपरिक बैंकिंग से डिजिटल बैंकिंग की ओर रुझान बढ़ता जा रहा है। यह परिवर्तन विशेष रूप से मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और अन्य डिजिटल वित्तीय सेवाओं के माध्यम से संभव हुआ है । इससे बैंकिंग सेवाओं की पहुंच और सुविधा दोनों में सुधार हुआ है। वहीँ सोशल नेटवर्किंग ने उपभोक्ताओं के खरीद व्यवहार को काफी हद तक प्रभावित किया है । आजकल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उत्पाद समीक्षाओं, विज्ञापनों और प्रमोशन्स के माध्यम से उपभोक्ता अपने खरीद निर्णयों को प्रभावित करते हैं । यह प्रभाव विशेष रूप से युवा पीढ़ी में देखा जा सकता है ।

डिजिटल इंडिया पहल ने देश को आधुनिकता के मार्ग पर अग्रसर किया है। यह न केवल तकनीकी उन्नति का प्रतीक है, बल्कि एक ऐसा

माध्यम है, जो समाज के सभी वर्गों को एकजुट कर रहा है । डिजिटल इंडिया का प्रभाव सिर्फ वर्तमान पर ही नहीं, बल्कि भविष्य पर भी गहरा और

सकारात्मक होगा । इस पहल ने भारत को एक डिजिटल राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जो निरंतर प्रगति की दिशा में अग्रसर बनाए रखेगा। विगत इस दशक को भारत के सामाजिक-आर्थिक नव जागरण के रूप में इतिहास के अन्तरगत रेखांकित किया जायेगा |